



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	26-2-26	3	2-5

विकसित तकनीकों का वास्तविक लाभ किसानों को मिले : प्रो. सोमनाथ सचदेवा

सम्मेलन **स्पार्क परियोजना** के अंतर्गत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड के सहयोग से हो रहा

जागरण संवाददाता • हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी आडिटोरियम में डेसीफरिंग दी पोटेशियल आफ क्लाइमेट रेजिलिएंट फंक्शनल क्रॉप फार सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एग्रो-इंडस्ट्रीज (डीपीसीएफसी-एसएआई-2026) विषय पर स्पार्क परियोजना के अंतर्गत तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए जबकि हकृवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज कंबोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान रांची के निदेशक डा. सुजय रक्षित मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे। यह सम्मेलन शिक्षा मंत्रालय की स्पार्क परियोजना के अंतर्गत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने विश्वविद्यालयों की अनुसंधान एवं औद्योगिक संस्थाओं के बीच मजबूत साझेदारी विकसित करने पर बल दिया ताकि विकसित तकनीकों का वास्तविक लाभ किसानों को मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अन्न (मोटे अनाज/मिलेट्स) को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने की वर्ष 2023 में



हकृवि में आयोजित सम्मेलन में पुस्तिका का विमोचन करते कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा • जागरण

जिनोमिक्स आधारित शोध करे विज्ञानी : सुजय

मुख्य वक्ता भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान रांची के निदेशक डा. सुजय रक्षित ने जिनोमिक्स तथा सूक्ष्मजीव आधारित समाधानों के एकीकृत प्रयोग पर बल दिया ताकि जलवायु परिवर्तन से बेहतर ढंग से निपटा जा सके। उन्होंने विंगड बीन तथा अरुणावली याक की क्षमताओं के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के संदर्भ में ऐसी फसलों के विकास और उपयोग पर जोर दिया जो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी उच्च उत्पादकता और पोषण गुणवत्ता बनाए रख सकें। उन्होंने कहा कि भविष्य की कृषि को टिकाऊ और लाभकारी बनाने के लिए अनुसंधान एवं नवाचार अत्यंत आवश्यक है।

औपचारिक शुरुआत की जिसके अंतर्गत ज्वार, बाजरा, रागी जैसे मिलेट्स को नया नाम श्रीअन्न देकर इनके उत्पादन, उपभोग और निर्यात को बढ़ावा देने का अभियान शुरू किया गया।

बलदेव राज कंबोज ने कहा कि सतत कृषि और एग्रो इंडस्ट्रीज के

जलवायु लचीली फसलों के विकास पर चर्चा

सम्मेलन में देश-विदेश के विज्ञानियों, शोधार्थियों, कृषि विशेषज्ञों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया। सम्मेलन के दौरान विभिन्न तकनीकी सत्रों में जलवायु लचीली फसलों के विकास, जैव प्रौद्योगिकी, पोषण संवर्धन, मूल्य संवर्धन एवं एग्रो इंडस्ट्रीज में उनकी उपयोगिता जैसी विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। अनुसंधान निदेशक डा. राजबीर गर्ग ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। मौलिक विज्ञान एवं मानविकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डा. राजेश गेरा ने इस सम्मेलन के बारे में विस्तार से जानकारी दी। जैव रसायन विभाग की अध्यक्ष डा. जयंती टोकस ने सभी का धन्यवाद किया। मंच का संचालन डा. कनिका ने किया।

विकास के लिए, बहु-विषयक दृष्टिकोण अपनाना होगा। वैज्ञानिकों की ओर से किए जा रहे शोध कार्यों को तत्काल किसानों तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा कारगर कदम उठाए जा रहे हैं। इसमें 600 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं जिनमें मुख्य रूप से मैसी

यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड से डा. क्रेग मैकगिल, यूनिवर्सिटी आफ ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा से डा. देवकी नंदन, ग्रीन फर्दर, यूएसए से डा. पीटर केली, पीएच्यू, लुधियाना के पूर्व अनुसंधान निदेशक डा. नवतेज सिंह बैस आदि गणमान्य लोग शामिल हो रहे हैं।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	26-2-26	2	1-3

सम्मेलन • हृदय में तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू किसानों के हित में बेहतर समन्वय से कार्य करें औद्योगिक संस्थान : सचदेवा

भास्करन्यूज़ | हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी ऑडिटोरियम में डेसीफरिंग दी पोर्टेशियल ऑफ क्लाइमेट रेजिलिएंट फंक्शनल क्रॉप फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एग्रो-इंडस्ट्रीज डीपीसीएफसी-एसएआई-20 26 विषय पर स्पार्क परियोजना के अंतर्गत तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए, हृदय के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। आईसीएआर के अंतर्गत भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान रांची के निदेशक डॉ. सुजय रक्षित मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे। यह सम्मेलन



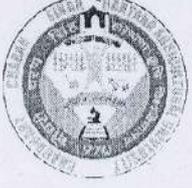
अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में पुस्तिका का विमोचन करते मुख्य अतिथि व अन्य।

जिनोमिक्स आधारित शोध करें वैज्ञानिक: डॉ. सुजय रक्षित

मुख्य वक्ता भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान रांची के निदेशक डॉ. सुजय रक्षित ने जिनोमिक्स तथा सूक्ष्मजीव आधारित समाधानों के एकीकृत प्रयोग पर बल दिया ताकि जलवायु परिवर्तन से बेहतर ढंग से निपटा जा सके। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के संदर्भ में ऐसी फसलों के विकास और उपयोग पर जोर दिया जो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी उच्च उत्पादकता और पोषण गुणवत्ता बनाए रख सकें।

शिक्षा मंत्रालय की 'स्पार्क' परियोजना के अंतर्गत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। कुवि के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के सहनशील फसलें न

केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगी, बल्कि खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को भी सुदृढ़ करेंगी। उन्होंने कहा कि औद्योगिक संस्थान किसानों के हित में बेहतर समन्वय से कार्य करें।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब लेसरी	26-2-26	3	1-4

किसानों के हित में बेहतर समन्वय से कार्य करें अनुसंधान एवं औद्योगिक संस्थान: प्रो. सचदेवा

हकृवि में स्पार्क परियोजना के अंतर्गत तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

हिसार, 25 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी ऑडिटोरियम में डेसीफरिंग दी पोर्टेशनल ऑफ क्लाइमेट रेजिलिएंट फंक्शनल क्रॉप फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एग्रो-इंडस्ट्रीज विषय पर स्पार्क परियोजना के अंतर्गत तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए जबकि हकृवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान रांची के निदेशक डॉ. सुजय रक्षित मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे। यह सम्मेलन शिक्षा मंत्रालय की 'स्पार्क' परियोजना के अंतर्गत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति



सम्मेलन को संबोधित करते मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा व सम्मेलन में उपस्थित श्रोतागण।

प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने विश्वविद्यालयों की अनुसंधान एवं औद्योगिक संस्थाओं के बीच मजबूत साझेदारी विकसित करने पर बल दिया ताकि विकसित तकनीकों का वास्तविक लाभ किसानों को मिल सके। उन्होंने कृषि और उद्योग के बीच समन्वय की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि जलवायु परिवर्तन के सहनशील फसलें न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगी, बल्कि खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को भी सुदृढ़ करेंगी। कृषि क्षेत्र के समक्ष जलवायु परिवर्तन, भूमि की घटती उर्वरता, जल संकट और पोषण असंतुलन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिकों को अधिक बेहतर ढंग से कार्य करने की आवश्यकता है।



सम्मेलन में शोधार्थियों को प्रख्यात वैज्ञानिकों से सीखने का मिलेगा मौका: प्रो. काम्बोज

हकृवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि सतत कृषि और एग्रो इंडस्ट्रीज के विकास के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण अपनाया होगा। उन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा जलवायु अनुकूल कृषि तकनीक के विकास और प्रसार के क्षेत्र में किए जा रहे प्रयासों की जानकारी देते हुए बताया कि विश्वविद्यालय सतत कृषि प्रणाली को बढ़ावा देने और किसानों तक वैज्ञानिक उपलब्धियों को पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। वैज्ञानिकों द्वारा किए जा रहे शोध कार्यों को तत्काल किसानों तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा कारगर कदम उठाए जा रहे हैं। कुलपति ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विभिन्न राष्ट्रीय

एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों 600 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं जिनमें मुख्य रूप से मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड से डॉ. क्रेग मैकगिल, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा से डॉ. देवकी नंदन, प्रो फर्दर, यूएसए से डॉ. पीटर केली, पीएच्यू, लुधियाना के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. नवतेज सिंह बैस, डीआर एवं डीन पीजीएस, एमएचयू, करनाल से डॉ. धरम पाल, नाबी, मोहाली डॉ. शिवराज हरिराम निले तथा गडवासा, लुधियाना से डॉ. प्रभजीत सिंह शामिल हैं।

जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए जिनोमिक्स आधारित शोध करे वैज्ञानिक: डॉ. सुजय रक्षित

मुख्य वक्ता भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान रांची के निदेशक डॉ. सुजय रक्षित ने जिनोमिक्स तथा सूक्ष्मजीव आधारित समाधानों के एकीकृत प्रयोग पर बल दिया ताकि जलवायु परिवर्तन से बेहतर ढंग से निपटा जा सके। उन्होंने विंगड बीन तथा अरूणाचली यॉक की क्षमताओं के बारे में भी विस्तार से बताया। सम्मेलन में देश-विदेश के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, कृषि विशेषज्ञों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जमर उजाला	26-2-26	4	1-4

मंथन एचएयू में स्पार्क परियोजना के तहत सम्मेलन शुरू, ज्वार, बाजरा, रागी जैसे मिलेट्स के उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देने पर जोर दिया

अनुसंधान-औद्योगिक संस्थाओं के बीच साझेदारी जरूरी : सचदेवा

माई सिटी रिपोर्टर

जुलैनी अरुण
4

हिसार। एचएयू के इंदिरा गांधी ऑडिटोरियम में डिसाइफरिंग द पोर्टेशियल ऑफ क्लाइमेट रीजिलिएंट फंक्शनल क्रॉप्स फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एग्रो-इंडस्ट्रीज विषय पर तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का बुधवार को शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय एवं महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि विश्वविद्यालयों को अनुसंधान एवं औद्योगिक संस्थाओं के बीच मजबूत साझेदारी विकसित करनी होगी। कृषि और उद्योग के बीच बेहतर समन्वय समय की आवश्यकता है।

शिक्षा मंत्रालय की 'स्पार्क' परियोजना के तहत मैसो यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड के सहयोग से चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में आयोजित सम्मेलन में मुख्य अतिथि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति सोमनाथ सचदेवा ने कहा कि जलवायु परिवर्तन के अनुकूल



एचएयू में सम्मेलन को संबोधित करते कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा। स्रोत: संस्थान

सहनशील फसलें न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक होंगी, बल्कि खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को भी सुदृढ़ करेंगी। उन्होंने ज्वार, बाजरा, रागी जैसे मिलेट्स के उत्पादन और निर्यात को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए एचएयू के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि सतत कृषि एवं एग्रो इंडस्ट्रीज के विकास के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण अपनाना होगा। विश्वविद्यालय वैज्ञानिक उपलब्धियों को

किसानों तक शीघ्र पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बताया कि सम्मेलन में विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से 600 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।

मुख्य वक्ता भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान, रांची के निदेशक डॉ. सुजय रक्षित ने जिनोमिक्स एवं सूक्ष्मजीव आधारित समाधानों के एकीकृत उपयोग पर बल दिया। उन्होंने विंगड बीन और अरुणाचली याक की क्षमताओं का उल्लेख करते हुए कहा कि

पुस्तिका का विमोचन

सम्मेलन के दौरान एबस्ट्रैक्ट बुक, लीड पेपर बुक, मोरिंगा प्रशिक्षण पुस्तिका एवं मोनोग्राफ का विमोचन किया गया। तकनीकी सत्रों में जलवायु लचीली फसलों के विकास, जैव प्रौद्योगिकी, पोषण संवर्धन, मूल्य संवर्धन और एग्रो इंडस्ट्रीज में उपयोगिता पर चर्चा हुई। अनुसंधान निदेशक डॉ. राजबीर गर्ग ने स्वागत किया, जबकि डॉ. राजेश गेरा ने सम्मेलन की रूपरेखा प्रस्तुत की। अंत में डॉ. जयंती टोकस ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

प्रतिकूल परिस्थितियों में भी उच्च उत्पादकता और पोषण गुणवत्ता बनाए रखने वाली फसलों का विकास आवश्यक है। भविष्य की टिकाऊ एवं लाभकारी कृषि के लिए अनुसंधान और नवाचार अनिवार्य हैं।

सम्मेलन में मैसो यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड से डॉ. क्रेग मैकगिल, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा से डॉ. देवकी नंदन, प्रो फर्दर, यूएसए से डॉ. पीटर केली सहित कई विशेषज्ञ शामिल हुए।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	26-2-26	11	2-6

हकृवि में स्पार्क परियोजना के तहत तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू किसान हित में बेहतर समन्वय से कार्य करें अनुसंधान व औद्योगिक संस्थान : सचदेवा

- 1 मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है सम्मेलन
- 2 सतत कृषि व एग्रो इंडस्ट्रीज के विकास के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण जरूरी: वीसी

हरिभूमि न्यूज | हिंसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी ऑडिटोरियम में 'डेसीफरिंग दी पोर्टेशियल ऑफ क्लाइमेट रेजिलिएंट फंक्शनल क्रॉप फॉर सस्टेनेबल एग्रोकल्चर एंड एग्रो-इंडस्ट्रीज (डीपीसीएफसी-एसएआई-2026)' विषय पर स्पार्क परियोजना के अंतर्गत तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा कार्यक्रम में

मुख्य अतिथि रहे जबकि हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान रांची के निदेशक डॉ. सुजय रक्षित मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे। यह सम्मेलन शिक्षा मंत्रालय की 'स्पार्क' परियोजना के अंतर्गत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने विश्वविद्यालयों की अनुसंधान एवं



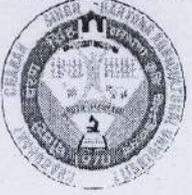
हिंसार। पुस्तिका का विमोचन करते मुख्य अतिथि प्रो. सोमनाथ सचदेवा व अन्य।

फोटो: हरिभूमि

औद्योगिक संस्थाओं के बीच मजबूत साझेदारी विकसित करने पर बल दिया ताकि विकसित तकनीकों का वास्तविक लाभ किसानों को मिल सके। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए हकृवि के कुलपति प्रो. बीआर काम्बोज ने कहा कि सतत कृषि और एग्रो

इंडस्ट्रीज के विकास के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण अपनाना होगा। जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए जिनोमिक्स आधारित शोध करे वैज्ञानिक: डॉ. सुजय रक्षित मुख्य वक्ता भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान रांची के निदेशक डॉ. सुजय रक्षित ने

जिनोमिक्स तथा सूक्ष्मजीव आधारित समाधानों के एकीकृत प्रयोग पर बल दिया ताकि जलवायु परिवर्तन से बेहतर ढंग से निपटा जा सके। सम्मेलन में देश-विदेश के वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, कृषि विशेषज्ञों एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक दूरदर्शन	26-2-26	5	1-2

किसानों के हित में बेहतर समन्वय से कार्य करें : सचदेवा

हिसार (हप्र) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी ऑडिटोरियम में डेसीफरिंग टी पोटेशियल ऑफ क्लाइमेट रेजिलिएंट फंक्शनल कॉप कॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एगो-इंडस्ट्रीज (डीपीसीएफसी-एसएएआई-2026) विषय पर स्पार्क परियोजना के अंतर्गत तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए जबकि हकृवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान रांची के निदेशक डॉ. सुजय रक्षित मुख्य वक्ता के तौर पर मौजूद रहे। यह सम्मेलन शिक्षा मंत्रालय की स्पार्क परियोजना के अंतर्गत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने विश्वविद्यालयों की अनुसंधान एवं औद्योगिक संस्थाओं के बीच मजबूत साझेदारी विकसित करने पर बल दिया ताकि विकसित तकनीकों का वास्तविक लाभ किसानों को मिल सके। हकृवि के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि सतत कृषि और एगो इंडस्ट्रीज के विकास के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण अपनाना होगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी प्लस न्यूज	25.02.2026	--	--

किसानों के हित में बेहतर समन्वय से कार्य करें अनुसंधान एवं औद्योगिक संस्थान : प्रो. सोमनाथ

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्पार्क परियोजना के अंतर्गत तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन शुरू

सिटी प्लस न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंदिरा गांधी ऑडिटोरियम में डेसीफेरिंग दी पोटेशियल ऑफ क्लाइमेट रेजिलिएंट फंक्शनल क्रॉप फॉर सस्टेनेबल एग्रीकल्चर एंड एग्रो-इंडस्ट्रीज (डीपीसीएफसी-एसएएआई-2026) विषय पर स्पार्क परियोजना के अंतर्गत तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ हुआ। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित हुए जबकि हकृषि के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान रांची के निदेशक डॉ. सुजय रंजित मुख्वा वक्ता के तौर पर मौजूद रहे। यह सम्मेलन शिक्षा मंत्रालय की 'स्पार्क' परियोजना के अंतर्गत मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा ने विश्वविद्यालयों की अनुसंधान एवं



मुख्य अतिथि पुस्तिका का विमोचन करते हुए

शोधार्थियों को वैज्ञानिकों से सीखने का मिलेगा मौका : प्रो. काम्बोज

हकृषि के कुलपति प्रो. बलदेव राज काम्बोज ने कहा कि सतत कृषि और एगो इंडस्ट्रीज के विकास के लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण अपनाना होगा। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय सतत कृषि प्रणाली को बढ़ावा देने और किसानों तक वैज्ञानिक उपलब्धियों को पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। कुलपति ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संस्थानों 600 से अधिक प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं जिनमें मुख्य रूप से मैसी यूनिवर्सिटी, न्यूजीलैंड से डॉ. फ्रेग मैकगिल, यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया, कनाडा से डॉ. देवकी नंदन, डॉ. फर्दर, यूएसए से डॉ. पीटर केली, पीएच्यू, लुसियाना के पूर्व अनुसंधान निदेशक डॉ. जयतेज सिंह बैस, डीआर एवं डीन पीजीएस, एमएचयू, करनाल से डॉ. धरम पाल, नाबी, मोसली डॉ. शिवराज हरिराम मिले तथा गडवायू, लुसियाना से डॉ. प्रमोदी सिंह शामिल हैं। सम्मेलन के दौरान विभिन्न महत्वपूर्ण प्रकाशनों का विमोचन किया गया, जिनमें एस्ट्रोट बुक, लीड पोपेर बुक, मोरिंगा पर प्रशिक्षण पुस्तिका तथा मोनोग्राफ विशेष रूप से शामिल रही।

औद्योगिक संस्थाओं के बीच मजबूत साझेदारी विकसित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के सहनशील फसलों न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगी, बल्कि खाद्य एवं पोषण सुरक्षा को भी सुदृढ़ करेंगी।

कृषि क्षेत्र के समक्ष जलवायु परिवर्तन, भूमि की घटती उर्वरता, जल संकट और पोषण असंतुलन जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए वैज्ञानिकों को अधिक बेहतर ढंग से कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

ने श्री अन्न को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने की वर्ष 2023 में औपचारिक शुरूआत की जिसके अंतर्गत ज्वार, बाजरा, रागी जैसे मिलेट्स को नया नाम श्री अन्न देकर इनके उत्पादन, उपभोग और निर्यात को बढ़ावा देने का अभियान शुरू किया गया।

जलवायु परिवर्तन को ध्यान में रखते हुए शोध करें वैज्ञानिक: डॉ. सुजय

मुख्य वक्ता भारतीय कृषि जैव प्रौद्योगिकी संस्थान रांची के निदेशक डॉ. सुजय रंजित ने जिनीमिक्स तथा सूक्ष्मजीव आधारित समाधानों के एकीकृत प्रयोग पर बल दिया ताकि जलवायु परिवर्तन से बेहतर ढंग से निपटा जा सके। उन्होंने विंगड बीन तथा अरुणाचली यॉक की क्षमताओं के बारे में भी विस्तार से बताया। उन्होंने जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के संदर्भ में ऐसी फसलों के विकास और उपयोग पर जोर दिया जो प्रतिकूल परिस्थितियों में भी उच्च उत्पादकता और पोषण गुणवत्ता बनाए रख सकें। उन्होंने कहा कि भविष्य की कृषि को टिकाऊ और लाभकारी बनाने के लिए अनुसंधान एवं नवाचार अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रोजेक्टर के माध्यम से सम्मेलन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर प्रकाश डाला।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	26-2-26	3	6

मुख्यमंत्री सैनी 28 को करेंगे मेले का शुभारंभ

जासं • हिसार : चौधरी चरण सिंह
हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय 28



कुलपति प्रो. बलदेव
राज कंबोज।

फरवरी से
एक मार्च
तक दो
दिवसीय कृषि
विकास मेला
अनाज मंडी
लाडवा
(कुरुक्षेत्र) में
लगाया

जाएगा। मेले का शुभारंभ हरियाणा
के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी
बतौर मुख्य अतिथि करेंगे जबकि
कृषि एवं किसान कल्याण,
पशुपालन एवं डेयरी तथा मत्स्य
पालन मंत्री श्याम सिंह राणा
कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे।

इस मेले का मुख्य विषय जल
संरक्षण-प्रति बूंद से अधिक
फसल रखा गया है, जिसका
उद्देश्य किसानों को जल प्रबंधन
की उन्नत तकनीकों से अवगत
कराना तथा कम पानी में अधिक
उत्पादन की दिशा में प्रेरित करना
है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.
बलदेव राज कंबोज ने बताया कि
कृषि विकास मेले के दौरान कृषि
एवं औद्योगिक प्रदर्शनी लगाई
जाएगी, जिसमें सरकारी एवं गैर
सरकारी संगठनों की 150 स्टालें
लगाई जाएंगी। मेले में आधुनिक
कृषि यंत्रों, उन्नत किस्म के बीजों
तथा नवीनतम तकनीकों का
प्रदर्शन किया जाएगा।

हकूवि में कृषि विकास मेले में
खरीफ फसलों एवं सब्जियों के
उन्नत किस्म के बीजों की
जानकारी एवं बिक्री, विवि के
प्रकाशनों की बिक्री, आगंतुक
किसानों के लिए लक्की ड्रा
(ट्रैक्टर एवं फार्म मशीनरी) तथा
हरियाणवी संस्कृति के कार्यक्रम
मुख्य आकर्षण रहेंगे।



चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय,
हिसार, लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	26-2-26	1	8

कृषि विकास मेला 28 से

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) की ओर 28 फरवरी से 1 मार्च 2026 तक दो दिवसीय कृषि विकास मेला अनाज मंडी लाइवा (कुरुक्षेत्र) में आयोजित किया जाएगा। मेले का शुभारंभ मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि करेंगे, जबकि कृषि मंत्री श्याम सिंह राणा कार्यक्रम की अध्यक्षता करेंगे। संवाद

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पाठकपक्ष न्यूज	26.02.2026	--	--

एचएयू का कृषि विकास मेला 28 फरवरी से लाडवा में

-पाठकपक्ष न्यूज-
हिसार, 26 फरवरी : विश्वविद्यालय द्वारा 28 फरवरी से 1 मार्च 2026 तक अनाज मंडी लाडवा (कुरुक्षेत्र) में दो दिवसीय कृषि विकास मेला आयोजित किया जाएगा। मेले का शुभारंभ हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी बतौर मुख्य अतिथि करेंगे, जबकि अध्यक्षता कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह रणा करेंगे। 'जल संरक्षण-प्रति बूंद से अधिक फसल' विषय पर आधारित इस मेले का उद्देश्य किसानों को जल प्रबंधन की उन्नत तकनीकों से अवगत कराना और कम पानी में अधिक उत्पादन के लिए प्रेरित करना है। मेले में कृषि एवं औद्योगिक प्रदर्शनी के तहत लगभग 150 स्टॉल लगाए जाएंगे, जिनमें उन्नत किस्म के बीज,

आधुनिक कृषि यंत्र, नवीनतम तकनीक और कृषि से जुड़े उत्पाद प्रदर्शित किए जाएंगे। किसानों के लिए मिट्टी व पानी की जांच, रोगग्रस्त फसलों का निदान, खरीफ फसलों एवं सब्जियों के उन्नत बीजों की जानकारी व बिक्री, विश्वविद्यालय के प्रकाशनों की उपलब्धता तथा कृषि विशेषज्ञों के साथ प्रश्नोत्तर सत्र की सुविधा रहेगी। इसके अलावा लकड़ी ड्र (ट्रैक्टर व कृषि यंत्र), फसल प्रतियोगिता और हरियाणवी सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आकर्षण का केंद्र होंगे। विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रदेश के किसानों, कृषि अधिकारियों, प्रगतिशील किसानों एवं कृषि उद्यमियों से अधिक से अधिक संख्या में मेले में पहुंचकर वैज्ञानिक तकनीकों का लाभ उठाने की अपील की है।